१२. स्वतंत्रता प्राप्ति

द्वितीय विश्वयुद्ध के समय भारत का स्वाधीनता संग्राम व्यापक बन गया था । भारत की स्वतंत्रता की माँग जोर पकड़ती जा रही थी । उसका गंभीरता से विचार करना आवश्यक है; इसका बोध अंग्रेज शासकों को हुआ । इस दृष्टि से भारत को स्वतंत्रता प्रदान करने के लिए अंग्रेज सरकार विभिन्न योजनाएँ बनाने लगीं ।

राष्ट्रीय कांग्रेस का निर्माण धर्मनिरपेक्षता सिद्धांत पर हुआ था । राष्ट्रीय आंदोलन में सभी जाति-धर्मों के लोग सम्मिलित हुए थे । अंग्रेजों ने इस आंदोलन को दुर्बल बनाने के लिए 'फूट डालो और राज करो' की नीति का अवलंब किया था । इसका परिणाम 'मुस्लिम लीग' की स्थापना में हुआ ।

१९३० ई. में प्रसिद्ध कवि डॉ.मुहम्मद इकबाल ने स्वतंत्र मुस्लिम राष्ट्र का विचार रखा । कालांतर में चौधरी रहमत अली ने पाकिस्तान की संकल्पना प्रस्तुत की । बैरिस्टर मुहम्मद अली जिन्ना ने द्विराष्ट्र का सिद्धांत रखकर स्वतंत्र मुस्लिम राष्ट्र अर्थात पाकिस्तान की माँग की । राष्ट्रीय कांग्रेस केवल हिंदुओं का संगठन है । इस संगठन से मुस्लिमों को कोई लाभ नहीं होगा; ऐसा प्रचार बै.जिन्ना और मुस्लिम लीग ने प्रारंभ किया ।

ि ि ि रोजना : जून १९४५ ई. में भारत के वायसराय लॉर्ड वेवेल ने एक योजना बनाई । इस योजना में विभिन्न प्रावधान थे । इसमें केंद्रीय और प्रांतीय विधान मंडल में मुस्लिम, दलित और अल्पसंख्यकों को यथोचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा । वायसराय के कार्यकारी मंडल में हिंदू और मुस्लिम सदस्यों की संख्या समान रहेगी, जैसे कुछ प्रमुख प्रावधान थे । इस योजना पर विचार-विमर्श करने हेतु शिमला में भारत के प्रमुख राजनीतिक दलों की बैठक बुलाई गई । बै.जिन्ना ने आग्रह किया कि वायसराय के कार्यकारी मंडल में मुस्लिम प्रतिनिधियों के नाम सुझाने का अधिकार मात्र मुस्लिम लीग को होना चाहिए । राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसका विरोध किया। परिणामतः वेवेल योजना सफल नहीं हो सकी ।

मं रोजना : द्वितीय विश्वयुद्ध के समाप्त होने के पश्चात भारत को स्वतंत्रता देने के लिए ब्रिटिश शासक अनुकूल बने । ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली ने पार्लियामेंट में भारत के विषय में नीति स्पष्ट कर दी । इसके अनुसार भारत की जनता का भारतीय संविधान निर्माण करने का अधिकार मान्य किया गया। यह भी स्पष्ट किया गया कि अल्पसंख्यकों की समस्याएँ और मुद्दे भारत की स्वतंत्रता के आड़े नहीं आएँगे । १९४६ मार्च ई. में ब्रिटिश मंत्री पैथिक लॉरेंस, स्टैफोर्ड क्रिप्स और ए.वी.अलेक्जांडर के प्रतिनिधि मंडल ने भारत के संदर्भ में इंग्लैंड की योजना को भारतीय नेताओं के सम्मुख रखा । इस योजना को 'त्रिमंत्री योजना' कहते हैं ।

इस योजना में निहित कुछ प्रावधान राष्ट्रीय कांग्रेस को स्वीकार नहीं थे । इसी तरह; इस योजना में मुस्लिमों के स्वतंत्र राष्ट्र की स्थापना का प्रावधान नहीं था । अतः मुस्लिम लीग भी असंतुष्ट थी । परिणामस्वरूप त्रिमंत्री योजना पूर्णतः स्वीकार नहीं हुई ।

त कृलतलदसि : पाकिस्तान के निर्माण की माँग पूर्ण नहीं हो रही है; यह देखकर मुस्लिम लीग ने प्रत्यक्ष कृति करने का निश्चय किया । इसके अनुसार मुस्लिम लीग ने १६ अगस्त १९४६ ई. को प्रत्यक्ष कृति दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की । इस दिन मुस्लिम लीग के अनुयायियों ने हिंसक मार्ग का अवलंब किया । देश में विभिन्न स्थानों पर हिंदू-मुस्लिम दंगे-फसाद हुए । बंगाल प्रांत में नौखाली में भयंकर हत्याएँ हुईं । इस हिंसा को रोकने के लिए गांधीजी अपने प्राणों की परवाह किये बिना वहाँ गए । वहाँ शांति स्थापित करने के लिए उन्होंने प्रयासों की पराकाष्ठा की ।

अस्थायी सरकार का गठन : जब देश में हिंसा की आग धधक रही थी; तब वायसराय वेवेल ने अस्थायी सरकार का गठन किया । पं.जवाहरलाल नेहरू इस सरकार के प्रमुख थे । अस्थायी सरकार में सम्मिलित न होने का निर्णय प्रारंभिक समय में मुस्लिम लीग ने लिया था । आगे चलकर मुस्लिम लीग अस्थायी सरकार में सम्मिलित हुई परंतु मुस्लिम लीग के नेताओं ने अड़ियल नीति अपनाने के कारण अस्थायी सरकार का प्रशासन सुचारु रूप से चल नहीं सका ।

माउंटबेटन योजना : इंग्लैंड के प्रधानमंत्री एटली ने घोषणा की कि जून १९४८ ई. के पहले इंग्लैंड भारत में अपनी सत्ता को समाप्त कर देगा । भारत में होने वाले सत्तांतर की पृष्ठभूमि में भारत के वायसराय के रूप में लॉर्ड माउंटबेटन को नियुक्त किया गया । लॉर्ड माउंटबेटन ने भारत के प्रमुख नेताओं के साथ विचार-विमर्श किया । इसके पश्चात उन्होंने भारत और पाकिस्तान इन दो स्वतंत्र राष्ट्रों के निर्माण की योजना बनाई । राष्ट्रीय कांग्रेस का विभाजन को विरोध था । राष्ट्रीय कांग्रेस की भूमिका का मूल आधार देश की एकता था परंतु मुस्लिम लीग पाकिस्तान के निर्माण की हठवादिता पर उतर आई

थी । फलतः विभाजन के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं बचा था । राष्ट्रीय कांग्रेस ने निरुपाय होकर विभाजन के निर्णय को स्वीकार किया ।

भारतीर ्ि का कानून : माउंटबेटन की बनाई हुई योजना के आधार पर १८ जुलाई १९४७ ई. को इंग्लैंड के पार्लियामेंट ने भारत की स्वतंत्रता का कानून पारित किया । इस कानून में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार १५ अगस्त १९४७ ई. को भारत और पाकिस्तान का स्वतंत्र राष्ट्रों के रूप में निर्माण होगा । इसके पश्चात इन राष्ट्रों पर ब्रिटिश पार्लियामेंट का कोई भी अधिकार नहीं रहेगा । रियासतों पर भी ब्रिटिशों का कोई स्वामित्व नहीं रहेगा । वे भारत अथवा पाकिस्तान में सम्मिलित हो सकते हैं अथवा स्वतंत्र रह सकते हैं ।

्ि ाख : भारतीय स्वतंत्रता कानून के अनुसार १५ अगस्त १९४७ ई. को भारत को स्वतंत्रता प्रदान की गई । १४ अगस्त १९४७ ई. की मध्यरात्रि को दिल्ली के संसद भवन के सभागार में संविधान सभा की बैठक हो रही थी । मध्यरात्रि के बारह बजे और भारत की पराधीनता समाप्त हुई । ब्रिटिशों का यूनियन जैक नीचे उतारा गया और उसके स्थान पर भारत का तिरंगा झंडा फहराया गया । डेढ़ सौ वर्षों की पराधीनता से भारत स्वतंत्र हुआ ।

स्वतंत्रता का आनंद विशुद्ध आनंद नहीं था । देश का विभाजन हुआ । विभाजन को लेकर भयंकर हिंसा हुई थी । इस हिंसा से भारतीय जनता के मन दुखी थे । स्वतंत्रता समारोह में गांधीजी सम्मिलित नहीं हुए थे । उस समय वे बंगाल में शांति स्थापित करने के लिए एड़ी-चोटी का पसीना बहा रहे थे । भारत स्वतंत्र होने के केवल छह महीने में ३० जनवरी १९४८ ई. को नथूराम गोडसे ने गांधीजी की जघन्य हत्या की । हिंदू-मुस्लिम एकता को बनाए रखने के लिए गांधीजी रात-दिन परिश्रम करते रहे और इसके लिए उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दिया ।

्ाि धार

१. **लद् गए तकि से उलचत तकि चुनकर कथन पुनः लर्लि ो ।**

(१) .... अस्थायी सरकार के प्रमुख थे ।
(अ) वल्लभभाई पटेल (ब) महात्मा गांधी
(क) पं.जवाहरलाल नेहरू (ड) बै.जिन्ना

(२) भारत और पाकिस्तान के रूप में दो स्वतंत्र राष्ट्रों का निर्माण करने की योजना ..... ने तैयार की ।
(अ) लॉर्ड वेवेल (ब) स्टैफर्ड क्रिप्स
(क) लॉर्ड माउंटबेटन (ड) पैथिक लॉरेंस

२. **लम्म के उत्तर एक-एक ि िक्र लर्लि ो ।**

(१) बै.जिन्ना ने किस माँग का हठवादिता से समर्थन किया ।

(२) त्रिमंत्री योजना में सहभागी मंत्रियों के नाम लिखो ।

३. **लम्म को कारण सलह ्प करो ।**

(१) राष्ट्रीय कांग्रेस ने विभाजन को स्वीकार किया ।

(२) अस्थायी सरकार का प्रशासन सुचारु रूप से चल नहीं सका ।

(३) वेवेल योजना सफल नहीं हो सकी ।

४. **दी गई कालरेला पर घलना म लर्लि ो ।**

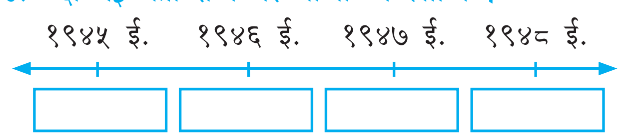

५. **लम्म के उत्तर लल्ता र लर्लि ो ।**

(१) ब्रिटिशों ने भारत को स्वतंत्रता प्रदान करने की दृष्टि से क्या प्रयास प्रारंभ किए ?

(२) माउंटबेटन योजना के विषय में जानकारी लिखो ।

(३) मुस्लिम लीग ने १६ अगस्त का दिन प्रत्यक्ष कृति दिन के रूप में मनाने की घोषणा क्यों की ? उसके क्या परिणाम हुए ?

उप म

विभिन्न संदर्भ ग्रंथों और अंतरजाल की सहायता से स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात सामान्य जनता की क्या प्रतिक्रियाएँ थीं; इस विषय में जानकारी प्राप्त करो ।

9CF22G